सूखे के लिए सर्वे करायेंगे और जहां सूखा है वहां किसान, मजदूर को राहत देंगे। मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से यही अनुरोध करना चाहता था। धन्यवाद।

बिजली मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, डॉ सीता राम जी सहित विपक्ष के माननीय सदस्यों ने प्रदेश में बिजली व पानी की समस्या को लेकर और कम बारिश होने की वजह से पैदा हुई स्थिति की बाबत चर्चा का एक गम्भीर विषय उठाया है। मुझे उम्मीद थी कि विपक्ष के साथियों ने जिस गम्भीरता और सक्रियता से इस मुद्दे को उठाया था उसी गम्भीरता से ये साथी इस बारे में वास्तविक स्थिति सरकार के ध्यान में लाते लेकिन मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि विपक्ष के माननीय साथियों ने प्रदेश के अढ़ाई करोड़ लोगों के हित से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे को उपहास व मजाक का विषय बना दिया जैसा कि सदन में आधे घंटे से यह तमाशा चल रहा है जिसे आप और हम सभी देख रहे हैं। स्पीकर सर, हरियाणा प्रदेश की समस्त जनता हाउस की कार्यवाही को देख रही है। यह हंसी-मजाक और वाद-विवाद का विषय नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामकल बिड़ाना : स्पीकर सर, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बिड़ाना साहब, आपने एक मुद्दा उठाया है and Hon'ble Minister is giving the reply on that issue. Please listen the reply, which is given from the Government side.

श्री फूल चन्द मुलाना : स्पीकर सर, विपक्ष के माननीय साथी अपने आपको किसानों और गरीबों का हितैषी मानने की गलतफहमी का शिकार होकर बिना वजह का शोर मचा रहे हैं। इन्हें अपने कार्यकाल की तरफ भी झांककर देखना चाहिए कि इन्होंने अपने कार्यकाल में किस प्रकार से हरिजनों के 200 परिवारों को गांव हरसौला (कैथल) से निकाल दिया था, जिनके पुनर्वास की व्यवस्था मौजूदा सरकार द्वारा की गई। इसी प्रकार से दुलीना (झज्जर) में हरिजनों को मार दिया और दोषियों पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई, हमारी सरकार आने पर ही दुलीना कांड के दोषियों पर कार्यवाही हुई। ऐसे ही इन्होंने कंडेला (जींद) में किसानों पर गोलियां चलवा दीं। (शोर एवं व्यवधान) (इस समय इण्डियन नेशनल लोकदल के सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थानों पर खड़े होकर बोलने लगे।)

श्री अध्यक्ष : मैं इण्डियन नेशनल लोकदल के सभी माननीय सदस्यों से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे कृपया अपनी-अपनी सीटों पर बैठ जायें। मुलाना जी, अब आप भी कृपया बैठ जाईये। (शोर एवं व्यवधान) Now, Hon'ble Power Minister will give his reply on this issue. (Voices and Interruptions.)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, न तो दलित उत्पीड़न का मुद्दा इस समय सदन में है और न ही उस पर चर्चा हो रही है। डॉ० सीता राम जी सहित विपक्ष के माननीय सदस्यों ने जो मुद्दा उठाया है मैं ऐसा महसूस करता हूं कि इस सदन के माध्यम से सरकार के लेवल पर जो कमी है उसके बारे में बताया जाये! मैं आपको आश्वासन देता हूं कि अगर हमारी कमी हमें बताई जायेगी तो हम उसे दूर करने का प्रयास करेंगे। हम अपनी कमी को मानेंगे भी और उसको दुरुस्त भी करेंगे परन्तु यह मजाक या वाद-विवाद का मुद्दा नहीं है। विपक्ष के अधिकार साथी मुझसे उम्र और तजुर्बे में वरिष्ठ हैं मुझे उनसे ऐसे आचरण की उम्मीद कदापि न थी। हरियाणा प्रदेश के करीब ढाई करोड़ लोग सदन की कार्यवाही को देख रहे हैं, पड़ोस के प्रान्त के

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

लोग भी हमारी तरफ देखते हैं। इस बात को ध्यान में रखकर हमें इस विषय पर होने वाली डिबेट को उसी गम्भीरता से देखते हुए सार्थक तरीके से लेना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, एक तो यह मुद्दा उठाया गया है कि प्रान्त में बिजली की कमी है और सरकार ने बिजली खरीदने का समय रहते निर्णय नहीं लिया। अध्यक्ष जी, यह भी कहा गया है कि बिजली की पूरी खरीद एडवांस में नहीं की गई जिससे दिक्कत पैदा हुई। मैं आपकी अनुमति से सदन को यह बताना चाहूंगा कि जून-जुलाई-अगस्त-सितम्बर वर्ष के ये चार महीने धान की रोपाई के दृष्टिगत सबसे महत्वपूर्ण हैं। जहां धान की रोपाई सबसे ज्यादा होती है उनमें विशेष तौर पर कुरुक्षेत्र, करनाल, अम्बाला, यमुनानगर, कैथल, जीन्द आदि के इलाके शामिल हैं। इनके अलावा रोहतक व हिसार के कुछ हिस्सों में भी धान की रोपाई होती है। ये प्रदेश के वे इलाके हैं जहां पर धान की रोपाई सबसे ज्यादा होती है। इसके अलावा बाकी हरियाणा में भी थोड़े-थोड़े क्षेत्रों में धान की रोपाई होती है । इस सारी बात को देखते हुए फरवरी, 2009 में ही हमने निविदाएं, टैंडर इश्यू किये थे । हरियाणा के गठन के बाद पहली बार हमने हिमाचल प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार से निविदाओं के माध्यम से 4638 मैगावाट बिजली 30 सितम्बर, 2009 तक 1977 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से खरीदी है। अध्यक्ष महोदय, इसमें जून, 2009 में 490 मैगावाट, जुलाई, 2009 में 1462 मैगावाट, अगस्त, 2009 में 1312 मैगावाट, सितम्बर, 2009 में 1374 मैगावाट बिजली हमने खरीदी है। कुल मिलाकर 4638 मैगावाट अतिरिक्त बिजली 1977 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से खरीदी है। हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने हरियाणा के किसानों से, खेतीहर मजदूरों से एक वायदा किया था कि 1 जुलाई से हम 8 घण्टे किसानों को ट्यूबवैल के लिए बिजली देंगे और 6764 से अधिक गाँवो में घरों के लिए 14 से 16 घण्टे बिजली देंगे। मैं आज आपकी अनुमति से सदन में खड़ा हो कर कह सकता हूँ कि हरियाणा सरकार ने वे वायदे पूरे किये हैं और हम उस बात पर खरे उतरे हैं। हमने फीडर सैग्रीगेट किये हैं। तकरीबन 85 परसैंट से ज्यादा गाँवों में खेतों का फीडर और घरों का फीडर हम अलग कर चुके हैं। 15 परसैंट गाँव दक्षिण हरियाणा में बचे हैं उनको हम अगले 2 महीने में सैग्रीगेट कर देंगे। जो फीडर सैग्रीगेट हो चुके हैं वहाँ पर 14 से 16 घण्टे घरों में बिजली की सप्लाई और 8 घण्टे ट्यूबवैल्स की सप्लाई बारिश कम होने के बावजूद भी हमने दी है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका और सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगा कि मानसून और प्रीमानसून की बारिश इस बार पिछले साल से कम हुई है। अब तक 141.6 मिलीमीटर बारिश हुई है और एवरेज 253.6 मिलीमीटर बारिश हुई है। पिछले साल 355.7 मिलीमीटर बारिश हुई थी। अगर मैं प्रतिशत में बताऊं तो पिछले साल के मुकाबले में या नार्मल रेन-फाल के मुकाबले में 44.2 प्रतिशत बारिश हरियाणा में कम हुई है। इसके बावजूद हमने हरियाणा में जो धान की कुल रोपाई है उसके लिए एक-एक खूड में धान की रोपाई सुनिश्चित की है। इस बारे में एग्रीकल्चर विभाग के आंकड़े भी बताते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस समय तक 28.24 लाख हैक्टेयर एरिया में हम रोपाई कर पाये हैं। 31 जुलाई, 2009 तक यानी आज से 3 दिन पहले तक 25.41 लाख हैक्टेयर भूमि के अन्दर हम फसलें बीज पाये हैं। बारिश कम हुई है और अगर बिजली भी न होती तो यह कैसे सम्भव हो सकता था। अगले 15-20 दिन में तकरीबन 3 लाख हैक्टेयर के रोपाई के टारगेट से हम शॉर्ट हैं, हमें उम्मीद है कि अभी धान के साथ-साथ विभिन्न फसलों की रोपाई चालू है, वह भी हम पूरा कर लेंगे। बारिश कम होने के बावजूद हमने सूखे जैसी स्थिति पैदा नहीं होने दी और यह भी सुनिश्चित किया कि किसान को पूरी बिजली मिले। अध्यक्ष महोदय, इसके

साथ-साथ मुझे सदन को यह बताते हुए भी खुशी हो रही है कि यू०पी०ए० की चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गाँधी और प्रधानमंत्री डॉ० मनमोहन सिंह जी ने भी हरियाणा की स्थिति को देखा। साथ-साथ पंजाब में हमारे जो भाई हैं चाहे विपक्ष की सरकार है, उनको भी देखा और 100 मैगावाट अतिरिक्त बिजली जो केन्द्रीय पूल की थी जो हमारे हिस्से की नहीं थी, हमें दे दी। माननीय मुख्य मंत्री जी ने केन्द्रीय बिजली मंत्री जी को, प्रधानमंत्री जी को और यू०पी०ए० चेयरपर्सन आदरणीय श्रीमती सोनिया गाँधी जी को पत्र लिखे। प्रधानमंत्री जी ने इंटरवीन करके 100 मैगावाट बिजली केन्द्रीय पूल से हमें दिलवाई है। इसी तरह से पड़ौस के राज्य पंजाब को भी वह बिजली दी गई है। अध्यक्ष महोदय, एक और बात मैं आपके तथा आपकी अनुमति से सदन के ध्यान में लाना चाहूंगा कि अगर हम सारे आंकड़े देखें तो सारी स्थिति क्लीयर हो जाएगी। मेरे पास वर्ष 2000 से लेकर आज तक की बिजली की सप्लाई के सारे आंकड़े मौजूद हैं। ये आंकड़े अपनी कहानी खुद ब्यान करते हैं कि कौन कितनी बिजली सप्लाई किया करता था। अध्यक्ष महोदय, हमारे पास जो चार्ट है उसमें देखें तो जून, 2000 के अन्दर.साल 2000-01 में पूरे वर्ष के अन्दर ऐवरेज सप्लाई 475 लाख यूनिट पर डे थी जबकि, वर्ष 2002-03 में यह सप्लाई 519 लाख यूनिट पर डे हो गई। वर्ष 2003-04 में इनकी सरकार ने 556 लाख यूनिट प्रतिदिन औसतन बिजली दी। वर्ष 2004-05 में 578 लाख यूनिट पर डे औसतन बिजली दी। स्पीकर सर, ये इनकी सरकार के वक्त के आंकड़े हैं। मौजूदा सरकार के आते ही वर्ष 2005-06 में पहले साल ही बिजली की सप्लाई में जम्प आया और 578 लाख यूनिट पर डे से 622 लाख यूनिट प्रतिदिन औसतन बिजली दी। वर्ष 2006-07 में हमने 665 लाख यूनिट पर डे औसतन बिजली दी। वर्ष 2007-08 में हमने 723 लाख यूनिट प्रतिदिन औसतन बिजली दी। वर्ष 2008-09 में हमने जो बिजली दी वह 735 लाख यूनिट प्रतिदिन औसतन थी और यह जो जून का महीना गया है तब तक हमने औसतन बिजली 806 लाख यूनिट प्रतिदिन दी है और यह बिजली बढ़ कर 1000 और 1100 लाख यूनिट प्रतिदिन इस माह के अन्दर और जाने वाली है। स्पीकर सर, इन लोगों ने जब सरकार छोड़ी तो ये 578 लाख यूनिट प्रति दिन औसतन बिजली देते थे जबकि हमने यह बढ़ा कर दुगुनी से ज्यादा कर दी है। यानी 1000 और 1100 लाख यूनिट बिजली अगर कोई लेकर आया है तो वह कांग्रेस की वर्तमान सरकार, चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली सरकार ले कर आई है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से सदन को यह भी बताना चाहूंगा कि हमने इस चालू साल में पिछले साल के मुकाबले में खेती-बाड़ी को अप्रैल में 13.80 प्रतिशत ज्यादा बिजली दी। पिछले साल के मुकाबले मई में 25.81 प्रतिशत बिजली अधिक दी। पिछले साल के मुकाबले जून में 44 प्रतिशत अधिक बिजली दी और जुलाई में 32 प्रतिशत अधिक बिजली दी और इस महीने में 40 परसैंट के करीब और बिजली देने वाले हैं। स्पीकर सर, आंकड़े भी अपनी कहानी खुद कहते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ मैं सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए यह भी कहना चाहूंगा कि यहां पर यह भी कहा गया कि बिजली के उत्पादन पर सम्पूर्ण ध्यान नहीं दिया गया। अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी आपकी अनुमति से सदन को बताया है कि देश भर में हरियाणा पहला ऐसा राज्य है जो चालू साल में पिछले साल से लेकर वर्ष 2013 तक हर साल बिजली का एक नया कारखाना बिजली उत्पादन शुरू करेगा। 24 हजार करोड़ से अधिक का निवेश बिजली के उत्पादन में और 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश बिजली की वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने में होगा। माननीय सदस्य ने अपने इलाके की चर्चा की और कहा कि वहां पर आठ घण्टे पूरी बिजली नहीं मिलती। स्पीकर सर, मैं मानता हूं कि कोई-कोई इलाका ऐसा है जहां अभी भी कुछ गांव ऐसे मिलेंगे जहां पर हम बिजली

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

की सप्लाई आठ घण्टे न दे पा रहे हों। ऐसा इसलिए नहीं है कि हमारे पास पूरी बिजली उपलब्ध नहीं है बल्कि बिजली होते हुए भी कई बार वितरण प्रणाली प्रोपर नहीं है इसलिए पूरे आठ घण्टे बिजली नहीं दे पाएंगे। आसापुर में जिसमें चौटाला साहब का गांव भी पड़ता है एक नया बिजली घर लगाने की चर्चा डॉ० सीता राम जी करते हैं। दुर्भाग्य से वहां पर यह बिजली घर नहीं लग पाया लेकिन अकेले सिरसा के अन्दर अगर आप देखेंगे तो परसों मैंने जवाब में आंकड़ों की पूरी लिस्ट भी दी थी। बड़ा व्यापक कार्यक्रम सिरसा के लिए है। 400 के०वी० सब-स्टेशन से ले कर 33 के०वी० सब-स्टेशन तक 60 या 70 बिजली के नये सब-स्टेशन्ज़ अकेले सिरसा जिले के लिए बना रहे हैं। पूरे हरियाणा की यह प्लान है तो यह 14000 करोड़ रुपये की जो राशि हम खर्चेंगे इसके बाद वितरण प्रणाली और सुदृढ़ होगी। अध्यक्ष महोदय, यमुनानगर थर्मल पावर प्लांट में वर्ष 2008-09 में 600 मेगावाट का उत्पादन शुरू कर दिया है आज उसकी बिजली हरियाणा के किसान, मजदूर, आम ग्रामीण, शहरी और व्यापारी को मिलती है। अध्यक्ष महोदय, मुझे खुशी है कि दिसम्बर, 2009 तक राजीव गांधी थर्मल पॉवर प्लांट खेदड़ की 600 मैगावाट की पहली इकाई और अप्रैल 2010 तक 600 मैगावाट की दूसरी इकाई बिजली का उत्पादन चालू कर देगी। मैं सदन में बताना चाहूंगा कि ईश्वर की कृपा से हमारे इंजीनियर्ज के सहयोग से हम 20 अगस्त को राजीव गांधी जी के जन्म दिन पर हमारे मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बिजली उत्पादन से सम्बन्धित पहले जो गाईल स्टोन है, उसको हम कास कर जाएंगे। स्पीकर सर, दिसम्बर, 2009 में 600 मैगावाट की पहली इकाई से बिजली मिलनी शुरू हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से 1500 मैगावाट का इन्दिरा गांधी सुपर थर्मल पॉवर प्लांट जो झांडली - झज्जर में हम लगा रहे हैं, उसका भी 2010-11 में बिजली का उत्पादन शुरू हो जाएगा । इसमें से 750 मैगावाट बिजली दिल्ली को मिलेगी और 750 मैगावाट बिजली हरियाणा को मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा महात्मा गांधी सुपर थर्मल पॉवर प्लांट जिसको हम झाड़ली (2) भी कहते हैं, झज्जर में लगेगा और यह प्लांट 1320 मैगावाट का है, इस प्लांट की पहली यूनिट से जनरेशन दिसम्बर, 2011 में और दूसरी यूनिट की जनरेशन मई, 2012 में शुरू हो जाएगी। स्पीकर सर, इसमें से 1200 मैगावाट बिजली सिर्फ हरियाणा को ही मिलने वाली है। अध्यक्ष महोदय, 2113 मैगावाट बिजली जो हमने कैश वन बिडिंग के माध्यम से खरीदी है, वह भी हमें मिलेगी जिसमें अडानी ग्रुप की 1424 मैगावाट, पी०टी०सी० ग्रुप की 300 मैगावाट बिजली अक्तूबर, 2011 से लेकर अगस्त, 2012 के बीच में हमें मिलेगी। इसके अलावा भी अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने हमें कहा था और मुझे सदन में यह बताते हुए खुशी है कि भारत सरकार से हमें इस बारे में इन-प्रिंसीपल एप्रूवल मिल गई है। जो यमुना नगर में दीन बन्धु छोटूराम थर्मल पॉवर प्लांट 600 मैगावाट का है, वहां पर जमीन उपलब्ध है, पानी उपलब्ध है, रेलवे का ट्रैक उपलब्ध है और कोल की बैंकिंग भी उपलब्ध है, हम उसी जगीन में प्रयास कर रहे हैं कि उसकी कैपैस्टी डबल करके डेढ़ वर्ष के अन्दर 600 मैगावाट का पॉवर प्लांट वहां पर और लगा दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा भी मुख्यमंत्री जी ने हमें निर्देश दिए थे और हम इस बात के लिए गम्भीरता से लगे हुए हैं कि झाड़ली (1) का इन्दिरा गांधी सुपर थर्मल पॉवर प्लांट 1500 मैगावाट का है वहां पर भी हमारे पास जमीन है और उसी जमीन में हम और प्लांट लगा सकते हैं क्योंकि वहां पर भी हमारे पास पानी, कोल माईंन, बिजली की वितरण प्रणाली और रेलवे के ट्रैक उपलब्ध है। हम अगले डेढ से दो साल में इस बारे में कोशिश करेंगे, अगर भारत सरकार हमारी मांग स्वीकार करेगी तो एडिशनल कोल कोटा लेकर वहां पर भी 750 मैगावाट से बढ़ाकर

1500 मैगावाट डबल बिजली का उत्पादन करने की कोशिश करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जैसा चौधरी फूल चन्द मुलाना जी ने भी बताया है, हरियाणा देश के उन तीन प्रान्तों में से एक है जिनमें कुम्हारिया में 2800 मैगावाट का न्यूक्लियर पॉवर प्लांट लगने जा रहा है। उसके लिए हमें एडीशनल लैंड चाहिए थी जो कि हमने एक्वायर कर ली है, वहां पर कुछ और पानी की जरूरत थी वह भी हमने प्रबन्ध कर दिया है। उसका हमने न्यूक्लियर पॉवर कारपोरेशन से सर्वे करवा लिया है और एटॉमिक एनर्जी कमीशन से भी उसकी एप्रूवल ले ली है। अब यह फाईल भारत सरकार के पास चली गई है। सर्वप्रथम देश में सिर्फ 3 प्रान्तों में यह न्यूक्लियर पॉवर प्लांट लगेंगे और हरियाणा उनमें से एक है। जब यह प्लांट लगकर तैयार हो जायेगा तो इससे भी हमें बिजली मिलेगी। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से सदन में यह बताना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने प्रधानमंत्री जी को दो पत्र लिखे थे और उनसे मिलकर भी आए हैं। फरीदाबाद का जो हमारा थर्मल पॉवर प्लांट है हम उसको बंद करके उसकी जगह वहीं पर उससे दोगुणा कैपेसटी का गैस बेस्ड पॉवर प्लांट दिल्ली की तर्ज पर खोलने जा रहे हैं। इसके साथ ही दिल्ली में जो इन्द्रप्रस्थ पॉवर लिमिटिड है वह अपना प्लांट बवाना में ले जा रहे हैं, अध्यक्ष महोदय, वहां भी हम 150 से 300 मैगावाट के बीच अपना हिस्सा डाल रहे हैं। दो साल के बाद जब वह प्लांट बिजली देगा तो वहां से भी हमें बिजली मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, 38 साल के इतिहास में इस प्रान्त में 1587 मैगावाट बिजली पैदा हुई थी। अध्यक्ष महोदय, हम जो कर रहे हैं उस बारे में मैंने सदन में चर्चा की है। जो हमारे मन में है, जो मुख्यमंत्री जी ने दिशा निर्देश दिए हैं, जिसकी हम अनुमति ले आए हैं, जिसका हमने अनुबन्ध किया है, हमने कोल बेस्ड लिंकेज नहीं ली बल्कि हमने कोल बेस्ड माईन का हरियाणा के लोगों को मालिक बनवाया है। बाकायदा भारत सरकार से अलॉट करवाकर आए हैं और अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के मुख्यमंत्री जी की जो दूर-दृष्टि थी, जो उनका व्यक्तित्व था, जो उनकी सोच थी जो कांग्रेस के साथियों की सोच थी, जो हमारी पार्टी की सोच थी कि हरियाणा को एक स्वावलम्बी प्रदेश बनाना है, आत्म निर्भर बनाना है तो यह उसी का ही परिणाम है। स्पीकर साहब, डाक्टर साहब ने यह कहा कि हरियाणा के अंदर पानी की बहुत कमी है। मैं उनको बताना चाहूंगा कि माननीय इरीगेशन मिनिस्टर साहब यहां मौजूद हैं उन्होंने मुझे एक ब्रीफ स्टेटमैंट दी है जिससे स्पष्ट है कि भाखड़ा सिस्टम में जो मेन लाईन है उससे पिछले साल के मुकाबले उन्होंने ज्यादा पानी दिया है। स्पीकर सर, मैं आपकी अनुमति से इसका केवल एक पैरा पढ़कर सुनाना चाहूंगा। as stated above, in spite of these constraints, the supplies in Bhakhra Main Line have been kept at normal level. In fact, from 1st January, 2009 to 30th July, 2009, 20.32 lacs cusecs water per day have been supplied from Bhakhra as compared to 15.57 lacs cusecs water per day during the corresponding period in 2008, पिछले साल के मुकाबले 10 लाख क्यूसिक फालतू पानी भाखड़ा सिस्टम से हमारी सरकार ने दिया है। even in the months of June and July, the total supply has been 5.85 lacs cusecs water per day as compared to 4.88 lacs cusecs per day in 2008. Speaker Sir, from 1st January, 2009 to 31st July, 2009, the water supply has been all time high due to better co-ordination with BBMB. अध्यक्ष महोदय, यमुना कमाण्ड एरिया में यमुना में पानी का फ्लो कम रहा है। इसमें दिक्कत रही है, हम यह मानते हैं परन्तु हमने उसकी भरपाई किसान को पूरी बिजली देकर की है। स्पीकर साहब, मैं आपकी अनुमति से अपनी बात को समाप्त करते हुए केवल यही कहूंगा कि अगर कोई सरकार, किसान, व्यापारी, गरीब मजदूर और आम शहरी के हकों के लेकर सजग है तो वह एक अच्छी सरकार कही जाएगी। हमने

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

भी सभी कदम उठाए हैं। अक्तूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी और फरवरी की जो हमारी बिजली की रिक्वायरमैंट होगी उसको आज ही हम खरीद रहे हैं। स्पीकर साहब, पंजाब में बी०जे०पी० की सांझा सरकार है और हिमाचल में उसकी अपनी सरकार है लेकिन वे अभी तक ऐसा नहीं कर पाए हैं। गुजरात में भी बी०जे०पी० की सरकार है लेकिन वहां की सरकार भी हिमाचल से बिजली नहीं खरीद पायी है। इसी तरह से मध्य प्रदेश में भी उस पार्टी की सरकार है लेकिन वह भी हिमाचल से बिजली नहीं खरीद पायी है लेकिन हम इस बारे में सजग हैं और आगे भी सजग रहेंगे। हमने 6 रुपये 20 पैसे प्रति यूनिट तक हिमाचल से बिजली खरीदी है। सर, मुख्यमंत्री जी ने जैसा कहा कि हमने 13-13, 14-14 रुपये प्रति यूनिट तक बिजली खरीदकर हरियाणा के किसानों को दी है इसलिए विपक्ष के साथियों का यह कहना कि हरियाणा में सूखे जैसी स्थिति है और वहां पर पूरा पानी और बिजली नहीं है, सरासर गलत है। हरियाणा सरकार ने सबके लिए कारगर कदम उठाए हैं और हम अपने काबिल साथियों को यह आश्वासन देना चाहते हैं कि फिर भी अगर कहीं पर कमी है तो हमें इनका रचनात्मक सहयोग और समर्थन चाहिए। यह नहीं होना चाहिए कि आप लोकदल के कार्यकर्ताओं को कलायत में भेज दें और कह दें कि पुलिस की जिप्सी जला दीजिए, पेड़ काट दीजिए। लेकिन इससे हरियाणा चलने वाला नहीं है हरियाणा चलेगा एक दूसरे के साथ मिलकर चलने से। अगर इनके नेता कहीं से चुनाव लड़ना चाहते हैं तो लोगों की लाशों के ऊपर से वह चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। चुनाव होगा सबके सहयोग से इसलिए मैं केवल यह कहकर अपनी बात को विराम देना चाहूंगा कि हमें अपने इन काबिल साथियों का समर्थन और सहयोग भी चाहिए। हरियाणा की सरकार भी सजग है और हम सुनिश्चित करेंगे कि अगर कहीं पर दिक्कत है तो वह न आए और पूरा पानी और बिजली हरियाणा के लोगों को उपलब्ध हो। धन्यवाद स्पीकर साहब।